भारत सरकार

वित्त मत्रांलय

आर्थिक कार्य विभाग

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1366

(जिसका उत्तर सोमवार, 11 दिसंबर, 2023/20 अग्रहायण, 1945 (शक) को दिया जाना है)

भारत-यूके इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस ब्रिज

1366. श्री मोहनभाई कुंडारिया :

श्री दीपसिंह शंकरसिंह राठौड़:

श्री दुष्यंत सिंहः

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारत-यूके इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस ब्रिज के लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं;

(ख) क्या इस सहयोगात्मक पहल से देश में दीर्घकालिक विकास होगा; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है कि यह पहल भारत की राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन को किस प्रकार सहायता प्रदान करेगी?

उत्तर

वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) भारत-यूके इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग ब्रिज के लक्ष्य और उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

i. भारतीय संधारणीय अवसंरचना में अंतरराष्ट्रीय निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ाने के तरीके सुझाना।

ii. भारत में संधारणीय अवसंरचना के विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए, परियोजनाओं की चिन्हित शेल्फ के लिए संरचित व्यवस्था प्रदान करना।

iii. संधारणीय अवसंरचना परियोजनाओं पर ज्ञान और सर्वोत्तम पद्धतियों को विकसित करने की दिशा में मिलकर काम करना और यह निर्धारित करना कि इन्हें अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए निवेश योग्य और आकर्षक केंद्र कैसे बनाया जा सकता है।

(ख) और (ग) जी, हां। इस पहल का उद्देश्य नवोन्मेषी वित्तपोषण प्रणाली के माध्यम से अवसंरचना परियोजनाओं का निर्माण करना है, जिससे भारत में राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (एनआईपी) सहित अवसंरचना परियोजनाओं में निवेश बढ़ाया जा सके।